Hw 11/10/21.

PAGE NO.
Date: / /20

## Hindi Worksheet

1) क) उ. सभी प्रेम करुण की हवा में सांस ले पाएँ।

ख) उ. तालाब के किनारे एक धूर्त और दुष्ट बगुला रहता था।

ग) उ. विनोबा जी यात्रा में गाँव की एक पाठशाला में ठहरे थे।

घ) उ. चूहे ने बिल्ला का एक कोने में देखा।

ङ) उ. बिल्ली ने कुएँ के अंदर झांका।

2. क). बिल्ली सोचने लगी कि वह चूहे कैसे बाहर निकालेगी और अपनी भूख मिटाएगी।

ख). भूदान का अर्थ है भूमि का दान। विनोबा जी ज़मींदारों से भूमि दान में लेकर भूमिहीन किसानों को देते थे जिस के लिए उनका भूदान यज्ञ प्रसिद्ध है।

ग). केकड़ा बहुत चालाक था उसे बगुले पर विश्वास नहीं था, इसलिए उसने बगुले की गरदन पर बैठकर चलने को कहा। जब केकड़ा चट्टान के पास पहुंचा तो वहाँ मछलियों की हड्डियों को देखकर सब समझ गया और उसने बगुले की गरदन में डंक गड़ाए उसे तालाब तक चलने पर मजबूर कर दिया वहाँ पहुँचने के बाद केकड़े ने उसका गरदन दबाकर उसे खत्म कर दिया। इस प्रकर अपनी सूझ-बूझ के कारण केकड़े ने अपनी जान बचाली।

घ) क. प्रस्तुत कहानी हमें संदेश देती है कि कभी किसी का बुरा नहीं करना चाहिए। बुराई का अंत बुरा होता है। धूर्त और दुष्ट व्यक्ति का अंत बुरा होता है।

PAGE NO.
Date : / /20

बुद्धि बल से ही दुष्ट की समाप्ति की जाती है। बिना सोचे विचार किसी की बात पर विश्वास नहीं करना चाहिए। विवेक का सहारा लेकर अच्छे-बुरे की पहचान करनी चाहिए। बगुला मछलियों को नए तालाब का लालच दे कर अपना शिकार बना लेता है। सभी मछलियाँ उसकी बातों में आकर अपनी जान गँवा देती है। अंत में बगुला केकड़े को भी अपना शिकार बनाना चाहता है परंतु केकड़ा अपनी सूझ-बूझ के कारण न केवल बच जाता है वरन् धूर्त बगुले को भी मार देता है।

ख). हिम्मत, अपनाकर बच्चे दृढ़ निश्चयी तथा साहसी बनते हैं। इस पंक्ति के माध्यम से कवि हमें यह कहते कि जीवन में दुख-सुख तो आते और जाते रहेंगे लेकिन हमें उसका सामना हिम्मत से करना चाहिए। हम जीवन में कई बाधाओं से गुज़रते हैं लेकिन हमें उसे सोचे समझे अपने हिम्मत से उसे रास्तों से हटा देना चाहिए।

4) उ. भरोसा - विश्वास, यकीन
समय - वक्त, काल
राह - रास्ता, पथ
हाथी - गज, मतंग

5). क) बिल्ला - बिल्ली
चूहा - चुहिया
ऊँट - ऊँटनी

6). क. उ. किसान
ख. उ. लकड़हारा.